पेपर लीक होने के कारण गरीब आदिवासी बच्चे और परिवार पर क्या गुजरती होगी? : डॉ.पूनियां

'नौकरी पाने के लिये आदिवासी बच्चे मेहनत-मजदूरी कर कोचिंग करते हैं, जब परीक्षा देने पहुंचते हैं तो पता चलता है कि पेपर लीक हो गया'

वागड़ क्षेत्र के प्रवास पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने डूंगरपुर जिले के चौरासी विधानसभा क्षेत्र में जन आक्रोश सभा को संबोधित किया।

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2023 में भाजपा की सरकार बनेगी
- 'भाजपा की सरकार बनने पर गुजरात की तरह राजस्थान को हर क्षेत्र में विकसित करेंगे'

चौरासी/डूंगरपुर/जयपुर। वागड़ क्षेत्र के प्रवास पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने डूंगरपुर जिले के चौरासी विधानसभा क्षेत्र में जन आक्रोश सभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, सांसद कनकमल कटारा, प्रदेश मंत्री कन्हैयालाल मीणा, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अल्का मूंदड़ा, डूंगरपुर जिला प्रमुख सूर्या अहारी, विधायक फूलसिह मीणा, अमृतलाल मीणा, सीमलवाडा प्रधान कारीलाल ननोमा, गलियाकोट प्रधान जयप्रकाश पारगी, सागवाडा प्रधान ईश्वर चरपोटा, डूंगरपुर जिलाध्यक्ष प्रभु पण्डया, तलवाड़ा प्रधान निर्मला मकवाना इत्यादि सहित भारी संख्या में जनसैलाब उमड़ा।

सतीश पूनियां ने जन आक्रोश सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, हिंदुस्तान के हर व्यक्ति ने, हर कबीले ने, हर कुटुंब ने, हर जाति ने खूब संघर्ष किया, पसीना बहाया और अपने खून का बलिदान भी दिया, लेकिन दुर्भाग्य है कि 55 सालों तक कांग्रेस पार्टी के पंजे ने राज किया और उस पंजे ने ऐसा इतिहास लिखाया, जिसमें यह कहा कि आजादी के योगदान में जनजाति का कोई योगदान नहीं था, कांग्रेस का यह षडयंत्र दुर्भाग्यपूर्ण है। काली बाई भील की शहादत तो पढ़ते, नानाभाई खाट के बलिदान की शहादत का सम्मान करने का पता लगता, जनजाति के लोगों ने हिंदुस्तान के लिए कितना संघर्ष किया था। कांग्रेस भूल जाती है कि मानगढ़ की घाटी पर मानगढ़ की चोटियों पर गोविंदगुरु के नेतृत्व में 1500 साहसी भील भाई अंग्रेजों की तोपों के आगे शहीद हो गए, उन लोगों ने अपने सर कटा लिए, लेकिन झुकाए नहीं, भारत माता की रक्षा के लिए उन्होंने अपने प्राण उत्सर्ग कर दिए।

उन्होंने कहा कि मैं इस आदिवासी क्षेत्र में बहुत बार आता हूं, सबसे पहले बांसवाड़ा के उपचुनाव में आया था, तब मैं देखता था आदिवासी भाई किस तरीके से कैरोसिन तेल के लिए संघर्ष करता था, राशन के लिए संघर्ष करता था, आदिवासी नौजवान नौकरी के लिए संघर्ष करता था, आदिवासी भाई रोजगार के लिए संघर्ष करता था, मुझे इस बात की खुशी है कि, मैं ऐसी पार्टी का कार्यकर्ता हूं जिसमें स्वर्गीय भैरोंसिंह शेखावत जैसे जनकल्याणकारी योजनाएं लागू करने वाले मुख्यमंत्री ने आदिवासी नौजवानों को 45 प्रतिशत आरक्षण देकर जनजाति के नौजवानों को रोजगार की दिशा में लगाया।

पूनियां ने कहा कि आपने मुझे इतना जो मान-सम्मान दिया है, मैं इसलिए यह बात कह रहा हूं, राजस्थान का नक्शा बड़ा है, उसके नक्शे के पड़ोस में गुजरात खड़ा है तो मेरा सपना और संकल्प है कि भाजपा की सरकार बनने पर गुजरात की तरह राजस्थान को हर क्षेत्र में विकसित करेंगे, जिससे आदिवासी भाई बहन को राजस्थान में ही रोजगार देकर उनका उत्थान करेंगे, गुजरात की तरह राजस्थान में भी उद्योगों को बढ़ावा देकर राजस्थान में भी रोजगार के अनेकों अवसर पैदा करेंगे और हम प्रतिबद्ध हैं कि आदिवासी को उनके क्षेत्र में ही रोजगार मिले, यह हमारी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि मैं आपके दरबार में आया हूं तो यह संकल्प लेकर आया हूं, यह भरोसा देने के लिए आया हूं कि राजस्थान की विधानसभा 23 जनवरी से जुड़ेगी, इस क्षेत्र के लिए लड़ाई लड़ूंगा, आपकी बात विधानसभा में मजबूती से रखूंगा। कांग्रेस शासन में राजस्थान में भ्रष्टाचार इस कदर है कि औसतन हर 12 किलोमीटर पर कोई ना कोई रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता है।

किसी गरीब आदिवासी का बच्चा मजदूरी मेहनत कर कोचिंग करता है और नौकरी की उम्मीद में जब परीक्षा देने सेंटर पर पहुंचता तो पता चलता है कि पेपर लीक हो गया, उस परिवार और बच्चे पर क्या गुजरती होगी, जिसका कोई भाई गुजरात में नौकरी करके अपने छोटे भाई को अरमान के साथ पढ़ाता है, कोई बाप मजदूरी करके अपने बच्चे के मास्टर बनने का सपना देखता है, यह नकल, चीट, लीक का जो षड्यंत्र किया, उससे राजस्थान के तमाम नौजवानों ने सुसाइड कर लिया।

'एंडोस्कोपी से पेट में लगेंगे चंद टांके और कम हो जाएगा मोटापा'

जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरॉलजिस्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में ''प्रोग्रेस इन गैस्ट्रोएंटरॉलजिस्ट एंड हेपिटोलॉजी'' किताब का विमोचन किया गया।

- पहले दिन विशेषज्ञों ने मोटापे को कम करने की अत्याधुनिक तकनीकें बताई।
- गैस्ट्रोएंटरॉलजी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए डॉ. रमेश रूप राय को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया।

जयपुर,(कासं)। मोटापे से जूझ रहे लोगों को अब तक दर्द भरी जटिल सर्जरी करानी पड़ती थी। सर्जरी के बाद भी कुछ दवाइयां और सावधानियां जीवनभर चलती थी, लेकिन अब नई तकनीकों से बिना कोई चीरफाड़ के वजन कम हो जाता है। मरीज इस प्रक्रिया के एक दिन बाद ही अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अपना सामान्य जीवन जी सकता है। सीतापुरा स्थित जेईसीसी में इंडियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी की ओर से इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईएसजीकॉन-2023 में देश-विदेश से आए एक्सपर्ट्स ने यह जानकारी दी।

कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और सीनियर गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. रमेश रूप राय ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में तीन हजार से अधिक एक्सपर्ट्स भाग ले रहे। गुरुवार को उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अमिताभ बच्चन स्वास्थ सबंधित कारणों से शामिल नहीं हो सके। आयोजन सचिव डॉ. संदीप निझावन ने पहले दिन हेपेटाइटिस बी, लीवर सिरोसिस व लीवर फेलियर जैसी कई बीमारियों के इलाज की नई तकनीकों के बारे जानकारी साझा की। ट्रेजरार डॉ. मुकेश कल्ला और जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. अनुराग गोविल ने बताया कि उद्घाटन सत्र में पद्मभूषण डॉ. शिव सरीन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए डॉ. रमेश रूप राय को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रोग्रेस इन गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी एंड हेपिटोलॉजी किताब का विमोचन किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

चेन्नई के डॉ. बीएस रामाकृष्णन ने बताया कि मोटापे के साथ मरीजों को डायबिटीज, बीपी, जोड़ों में दर्द और खर्राटे की भी शिकायत होती है। जिनका बीएमआई 30 से ज्यादा होता है, उनके लिए मोटापा कम करना बेहद जरूरी होता है। अभी तक लाइफ स्टाइल में सुधार कर या बैरियाट्रिक सर्जरी द्वारा पेट को कम किया जाता था। इस सर्जरी के बाद मरीज को उम्रभर विटामिन के इंजेक्शन लेने की जरूरत पड़ती थी। लेकिन नई एंडोस्कोपी स्लीव गेस्ट्रोप्लास्टी (ईएसजी) द्वारा इसी तरह का काम बिना किसी चीरफाड़ के किया जाता है। इसके लिए मरीज के पेट में दूरबीन द्वारा टांके लगाकर पेट का आकार छोटा कर दिया जाता है। इस प्रक्रिया होने के एक दिन बाद ही मरीज को अस्पताल से डिस्चार्ज भी कर दिया जाता है। इससे मरीज अपना 18 से 20 प्रतिशत वजन कम कर सकता है।

जंगल में मिली बच्ची की इलाज के दौरान मौत

जयपुर (कासं)। मुहाना इलाके में जंगल में जिंदा नवजात बच्ची के मिलने से सनसनी फैल गई। नवजात बच्ची को कंबल में लपेट कर झाड़ियों में फेंका गया था। पुलिस ने नवजात को जेकेलॉन अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवाया।

मुहाना पुलिस ने बताया कि रिंग रोड देव होटल के पीछे स्थित जंगलों में नवजात बच्ची मिली। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर लोग जंगल में अंदर घुसे। झाड़ियों में पड़े कंबल में नवजात लिपटी हुई मिली।

जिंदा नवजात बच्ची के मिलने का पता चलने पर लोगों में सनसनी फैल गई। लोगों की सूचना पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने कंबल में लिपटी मिली नवजात को संभाला। नवजात बच्ची को तुरंत जेके लोन हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि नवजात बच्ची करीब पांच दिन की थी। अस्पताल में ही उसका जन्म हुआ था। मुहाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर अज्ञात परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, जिनकी तलाश की जा रही है।

अनिल अंबानी जमानती वारंट से तलब

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-1 जयपुर जिला ने श्रम न्यायालय के अवार्ड की पालना नहीं करने से जुड़े मामले में उद्योगपति और मैसर्स बीएसईएस लि., मुंबई के प्रबंध संचालक अनिल अंबानी के खिलाफ पांच सौ रुपए का जमानती वारंट जारी किए है। अदालत ने आरोपी को 21 मार्च को तलब किया है। अदालत ने यह आदेश शंभू सिंह के दावे पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रकरण के अनुसार शंभू सिंह ने श्रम न्यायालय में दावा पेश कर कहा था कि वह कंपनी के जयपुर स्थित कार्यालय में कार्यालय सहायक के पद पर तैनात था। कंपनी ने 12 जून 1997 को उसे बिना कारण बताए हटा दिया। वहीं उसे हटाने से पहले न तो उसे नोटिस जारी किया गया और ना ही सुनवाई का मौका दिया गया। इस पर श्रम न्यायालय ने प्रकरण की सुनवाई करते हुए 9 सितंबर 2015 को प्रकरण में शंभू सिंह के पक्ष में अवार्ड जारी कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने अतिरिक्त श्रम आयुक्त को प्रकरण में पालना करने के आदेश दिए। इस पर परिवादी ने अदालत में परिवाद पेश कर कार्रवाई की गुहार की गई। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सितंबर 2017 में कंपनी के प्रबंध संचालक अनिल अंबानी के खिलाफ प्रसंज्ञान लिया है। वहीं अब अदालत ने आरोपी के खिलाफ जमानती वारंट जारी कर तलब किया है।

'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान की बैठक 8 को

जयपुर, (का.प्र.)। अखिल भारतीय कांग्रेस संचालन समिति की 4 दिसंबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में भारत जोड़ो यात्रा के विस्तार में 26 जनवरी से 2 माह तक हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलाने का कार्यक्रम निर्धारित हुआ। जिसकी तैयारियों हेतु 8 जनवरी को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में एक अति-आवश्यक बैठक राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के वार रूम 7, हॉस्पिटल रोड पर बुलाई गई है।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत 2 माह तक गांव, ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर पर अभियान चलाया जाएगा, जिसकी तैयारी हेतु 8 जनवरी को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वॉर रूम 7, हॉस्पिटल रोड पर दोपहर 3 बजे अति आवश्यक बैठक राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में आयोजित होगी। जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्यमंत्री राजस्थान अशोक गहलोत, भारत हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के लिए नियुक्त प्रदेश प्रभारी आर सी खूँटिया सहित प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी तथा सभी अग्रिम संगठनों के प्रदेशाध्यक्ष तथा अभियान हेतु नियुक्त जिला समन्वयक भाग लेंगे।

अब राज्य सरकार क्या न्यायालय को ''टोपी'' पहनाने का काम करेगी : मुख्य न्यायाधीश

- सरकार की कार्यप्रणाली पर तल्ख टिप्पणी करते हुए न्यायाधीश ने कहा कि सरकार द्वारा न्यायालय के समक्ष लिए गए स्टैंड में बदलाव से ऐसा लगता है कि सरकार प्रभावशाली निजी लोगो को लाभ पहुंचने के लिए सरकारी भूमि को निजी सम्पति साबित करने पर तुली है और न्यायालय के समक्ष पूर्व में लिए रुख से पलटी खा रही है।
- याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने न्यायालय को बताया कि भवानी मंडी स्थित 19 बीघा राजकीय भूमि को एक आपराधिक षड्यंत्र के तहत भ्रष्ट तरीके से प्रभावशाली निजी व्यक्तियों के नाम भूरूपांतरण कर पट्टे जारी कर दिए गए जिस पर निर्माण कार्य की स्वीकृति भी जारी कर दी गयी।

जयपुर, (का.सं.)। सरकार द्वारा न्यायालय के समक्ष लिए गए स्टैंड पर बदलाव से नाराज मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल ने झालावाड़ में भवानी मंडी स्थित 19 बीघा से अधिक सरकारी भूमि के निजी लोगो के हक़ में भूरूपान्तरण के एक मामले में सरकार की कार्यप्रणाली पर तल्ख टिपण्णी करते हुए कहा की सरकार द्वारा न्यायालय के समक्ष लिए गए स्टैंड में बदलाव से ऐसा लगता है की सरकार प्रभावशाली निजी लोगो को लाभ पहुंचने के लिए सरकारी भूमि को निजी सम्पति साबित करने पर तुली है और न्यायालय के समक्ष पूर्व में लिए रुख से पलटी खा रही है।

सरकार की पैरवी में पेश हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल मेहता से मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा ''अब क्या राज्य सरकार न्यायालय को टोपी पहनाने का काम करेगी। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ऐसा हुआ तो हम सरकार के मुख्य सचिव को न्यायालय में पेश होकर स्थिति स्पष्ट करने को कहेंगे।''

यह टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल और न्यायिपति शुभा मेहता की खंडपीठ ने अविनाश जायसवाल व एक अन्य जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए की। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने न्यायालय को बताया कि भवानी मंडी स्थित 19 बीघा राजकीय भूमि को एक आपराधिक षड्यंत्र के तहत भ्रष्ट तरीके से प्रभावशाली निजी व्यक्तियों के नाम भूरूपारंतरण कर पट्टे जारी कर दिए गए जिस पर निर्माण कार्य की स्वीकृति भी जारी कर दी गयी।

उन्होंने न्यायालय को बताया कि इससे पूर्व वर्ष 2014 में स्वयं राज्य सरकार और नगर परिषद भवानी मंडी ने न्यायालय में याचिका लगाकर भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा भूमि की 90-बी कार्यवाही पर आपत्ति जताते हुए इसे अवैधानिक और भ्रष्ट आचरण बताया था तत्समय राज्य की भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार ने इस भूमि पर किसी भी निर्माण स्वीकृत जारी करने पर भी रोक लगा दी थी और भूमि को राज्य के नाम दर्ज कर लिया था। लेकिन राज्य में सत्ता परिवर्तन के साथ ही नयी सरकार ने याचिका को वापिस ले लिया और सरकारी भूमि को निजी भूमि बता कर उस पर पट्टे और निर्माण स्वीकृति जारी कर दी जिसे जनहित याचिका में चुनौती दी गयी है।

सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता मेहता ने कहा की भूमि कभी भी राजकीय सम्पति नहीं थी और वर्ष 1932 में ही तत्कालीन निज़ामत महाराज राजेंद्र सिंह ने यह सम्पति तेल मिल लगने के लिए सेठ पेस्टोंन जी को बक्शीश में दी थी जिसे बाद में जयपुरिया ब्रदर्स नाम की कम्पनी ने खरीद कर लिया और 90-बी की कार्यवाही के लिए समर्पण करने पर उस पर पट्टे जारी किये गए है। निजी पट्टा धारको की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने कहा की पट्टे और निर्माण स्वीकृति के बार न्यायालय ने एक अन्य जानहित याचिका में सुनवाई के दौरान मार्च, 2021 में याचिका के अध्यधीन निर्माण जारी रखने की अनुमति दी थी।

दोनों पक्षों के तर्क को सुनने के बाद न्यायालय ने आदेश में माना की पट्टा धारकों द्वारा भूमि या निर्मित प्लाटो का विक्रय किया जा सकता है ऐसे में न्यायालय ने सम्पूर्ण 19 बीघा 15 बिस्वा भूमि में किस भी प्रकार की भूमि और प्लाट के खरीद.फरोख़्त पर रोक लगा दी और साथ ही स्पष्ट किया। की पूर्व आदेश के तथा यदि कोई निर्माण किये जाएंगे तो वह वैधानिक नहीं होंगे और यदि भूमि राजकीय पाई जाती है तो सम्पूर्ण निर्माण ध्वस्त किये जायेंगे जिसका कोई मुआवजा नहीं दिया जायेगा ना ही पूर्व अंतरिम आदेश से किस भी प्रकार का कोई वैधानिक अधिकार ही पट्टाधारकों को प्राप्त होगा। न्यायलय ने प्रकरण फरवरी के प्रथम सप्ताह में निस्तारण हेतु सूचीबद्ध करने का भी आदेश दिया।

एसीबी के आदेश के विरोध में ज्ञापन

जयपुर, (कासं)। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के रिश्वत के मामलो में ट्रैप होने वालों के नाम व फोटो जारी नही करने के आदेश की कड़ी निन्दा करते हुए इसके विरोध में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ज्ञापन दिया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारे लाल चौधरी व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह शेखावत ने ज्ञापन में मुख्यमंत्री से इस तरह के आदेश को वापस लेने की मांग की है। साथ ही ट्रैप होने वालों की फोटो, नाम व पता सरकारी कार्यालयों के साथ शहर के प्रमुख चौराहों पर भी चस्पा किए जाने की मांग की हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं की भ्रष्टाचार के मामलों में पारदर्शी व जीरो टॉलरेंस की नीति होते हुए भी ब्यूरो द्वारा इस प्रकार के आदेश निकालने से प्रदेश में भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद होंगे। साथ ही राज्य सरकार की छवि भी धूमिल होगी। एसोसिएशन हमेशा भ्रष्टाचार का विरोध करती रही हैं तथा एसोसिएशन द्वारा समय-समय पर भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आंदोलन भी किए जाते रहे हैं। नर्सेज नेताओं ने चेतावनी दी है कि यह आदेश वापस नहीं लिया तो जल्द ही प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जाएगा।

कोचिंग हब के स्वरूप को विश्वस्तरीय बनाने पर चर्चा

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने गुरूवार को अधिकारियों की बैठक लेकर कोचिंग हब के डिजाइन को लेकर चर्चा की।

जयपुर (कासं)। प्रताप नगर में बनाये जा रहे प्रदेश के पहले कोचिंग हब के स्वरूप को आकर्षक बनाने पर गुरूवार को आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों से चर्चा कर कोचिंग हब के स्कल्पचर की डिजाइन को अंतिम रूप देने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद प्रदेशभर में चल रही विभिन्न परियोजनाओं पर भी रिव्यू किया।

अरोड़ा ने बताया कि हाऊसिंग बोर्ड द्वारा सभी निर्माणाधीन भवनों को आकर्षक लुक दिया जा रहा है। कोचिंग हब में छात्र-छात्राओं और आगंतुकों को सकारात्मक माहौल उपलब्ध कराने के लिए भवन को आकर्षक बनाया जा रहा है। प्रताप नगर सेक्टर-16 में बन रहे कोचिंग हब को विश्वस्तरीय और आकर्षक बनाने के लिए मैसर्स आइडिया, मैसर्स मानव मूर्ति आर्ट के प्रतिनिधियों ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण में भवन के मेन एंट्रेंस, एंपीथियेटर, लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स एरिना के स्कल्पचर की डिजाइन के कई विकल्प प्रस्तुत किए। आयुक्त ने डिजाइनों में सुधार के कई अहम सुझाव भी दिए। बैठक में सचिव अल्पा चौधरी, मुख्य अभियंता के.सी. मीना, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रथम अमित अग्रवाल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। गौरतलब है कि प्रताप नगर के हल्दीघाटी मार्ग स्थित 65 हजार वर्ग मीटर भूमि पर दो चरणों में कोचिंग हब विकसित किया जा रहा है। इससे लगभग 65 से 70 हजार छात्रों को शैक्षिणक सुविधा का लाभ मिलेगा। पहले चरण में निर्मित 5 ब्लॉक में कुल 140 कोचिंग परिसरों (सम्पत्तियों) का निर्माण किया गया है। करीब 1588.06 वर्गफीट से 8025.56 वर्गफीट तक सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल के इन सभी कोचिंग परिसरों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

जे.एल.एफ.में गूंजेगी सशक्त महिलाओं की आवाज़

जयपुर, (का.सं.)। आइकोनिक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन 19 से 23 जनवरी, को होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में होगा। इस साल, अपने 16वें संस्करण में, फेस्टिवल में उल्लेखनीय लेखिकाओं की कलम के रंग बिखरेंगे। फेस्टिवल के कई महत्वपूर्ण सत्र लेखिकाओं की उपलब्धि को समर्पित होंगे, जिनमें उनके लेखन के माध्यम से उनके सफ़र को बुना जायेगा। एक विशेष सत्र, फीमेल गेज़ पर आधारित होगा। जब कोई कथानक किसी महिला के नज़रिए से लिखा जाता है, तो वो कैसे दूसरे से भिन्न होता है? ये 'फीमेल गेज़' महिलाओं को पोर्ट्रेट करने का नजरिया बदल देता है और वो महज एक 'वस्तु' से ऊपर उठ पाती है। इस सत्र में शामिल होने वाले वक्ता है एमिली पर्किन्स, यूजेनिया कुजनेत्सोवा, एना फिलोमिना अमराल और ताध्या मैक डोंने। इनसे संवाद करेंगी लेखिका सस्क्या जैन। सत्र में, ये वक्ता महिला नजरिये से लेखन के सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनैतिक निहितार्थों की व्याख्या करेंगे।

जनाक्रोश महासभा के मंच पर महिला के नृत्य मामले में पूनिया ने मांगी रिपोर्ट

आयोजकों पर गिर सकती है गाज, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता का मामला बताया

जयपुर। राज्य की गहलोत सरकार के 4 साल के शासन के विरोध में प्रदेश भाजपा की ओर से सभी विधानसभा क्षेत्रों में जनाक्रोश महासभा का आयोजन हो रहा है। इसी बीच अलवर के खेड़ली में भी जनाक्रोश महासभा के मंच पर एक महिला के अश्लील डांस का वीडियो जमकर वायरल होने के बाद जहां इस मामले को लेकर भाजपा बैकफुट पर नजर आ रही है तो पार्टी की भी किरकिरी हो रही है। महिला की अश्लील नृत्य का वीडियो वायरल होने के बाद अब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया ने भी इस मामले में सख्त रुख का अख्तियार कर लिया है। सतीश पूनिया ने अलवर दक्षिण के जिलाध्यक्ष इस पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी है।

अलवर दक्षिण के जिलाध्यक्ष को लिखे पत्र में सतीश पूनिया ने लिखा कि खेड़ली कस्बे का एक प्रकरण उनके संज्ञान में आया जिसमें भाजपा जनाक्रोश महासभा के मंच पर एक महिला नृत्य करती हुई नजर आ रही है। इस कृत्य के माध्यम से पार्टी की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। यह गंभीर अनुशासनहीनता का मामला है, जनाक्रोश महासभा के आयोजक कौन-कौन थे, किसके निर्देशन में यह हुआ है। पार्टी के मंचों पर इस प्रकार कृत्यों की कतई इजाजत नहीं है। इस पूरे प्रकरण की जानकारी शीघ्र उपलब्ध करवाई जाए।

सूत्रों की माने तो प्रदेश भाजपा को रिपोर्ट मिलने के बाद जनाक्रोश महासभा के आयोजकों पर गाज गिर सकती है। इस प्रकरण से पार्टी के अंदर भी नाराजगी बढ़ती जा रही है। सतीश पूनिया ने पत्र की प्रतिलिपि प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और संभाग प्रभारी मदन दिलावर को भेजी है। सूत्रों की माने तो अलवर के खेड़ली में मंगलवार को जनाक्रोश महासभा के मंच पर एक महिला की ओर से नृत्य किया गया जिसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि महासभा मंच पर जब महिला की ओर से नृत्य किया उस दौरान भाजपा के कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।